दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO :- CHHHIN/2018/76480 || Email :- nyaysakshi@gmail.com || रायगढ़, सोमवार 28 जनवरी 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक-119

महत्वपूर्ण एवं खास

गणतंत्र दिवस के मौके पर केसरिया साफे में नजर आए पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस के मौके पर रंग-बिरंगा साफा पहनने के अपने अंदाज को बरकरार रखते हुए शनिवार को केसरिया रंग के खूबसूरत साफे में नजर आए। पारंपरिक कुर्ता पायजामा एवं नेहरू जैकेट पहने मोदी ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए जाने से पहले अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। साफे स्वतंत्र दिवस एवं गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहने जाने वाली पोशाकों का खास आकर्षण रहे हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर 2014 में स्वतंत्रता दिवस के अपने पहले संबोधन के दौरान मोदी ने चमकीले लाल रंग का जोधपुरी बंधेज साफा पहना था। कच्छ से बन कर आये चमकीले लाल बांधनी साफे से लेकर पीले रंग के राजस्थानी 'साफे' तक मोदी गणतंत्र दिवस के मौकों पर भी विभिन्न रंग के साफों में नजर आए हैं।

दिग्विजय सिंह रायपुर पहुंचे, भाजपा पर किया हमला

कहा-15 साल तक भाजपा राजनीति नहीं व्यापार कर रही थी

रायपुर(आरएनएस)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह छग प्रवास पर आज राजधानी रायपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि अंततः जनता ने सही निर्णय लेते हुए कांग्रेस को जिताया। उन्होंने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि कांग्रेस पार्टी ने जो वादे किए हैं उसे पूरा करें। दिग्विजय सिंह ने जीत के पीछे अहम भूमिका निभाने वाले कांग्रेस कार्यकताओं का भी आभार जताया। भाजपा पर निशाना साधते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि 15 साल तक छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार रही है। इन 15 साल में भाजपा सत्ता भोगी हो गई थी और राजनीति नहीं बल्कि व्यापार कर रही थी। छग में रमन सिंह ने जमीन बेचने का काम किया। चावलवाले बाबा कहलाने वाले रमन सिंह चावल में ही भ्रष्टाचार करते रहे। इस बार जनता ने उन्हें सबक सिखाया है।

बोरवेल में गिरा 2 साल का बच्चा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सिंगरौली (आरएनएस)। एक बार फिर खुले बोरवेल की वजह से एक बच्चे की जान आफत में फंस गई है। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले का है। यहां के केरहार गांव में रविवार सुबह 2 साल का एक बच्चा खेलते-खेलते 70 फीट गहरे बोरवेल में जा गिरा। पता चलते ही घरवालों ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। बच्चे को सूखे बोरवेल से निकालने के लिए प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। जिले के आलाधिकारी बचाव कार्य पर लगातार निगाह बनाए हुए हैं। मौके पर आसपास के गांवों से भारी भीड़ जुट गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। गांववाले बच्चे के सुरक्षित बाहर निकलने को लेकर प्रार्थना कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि बच्चा बोरवेल के नजदीक खेल रहा था। उस समय घर को कोई सदस्य उसके साथ मौजूद नहीं था, जिससे चलते यह दुर्घटना पेश आई।

कैफे में गैस बॉयलर फटने से भीषण विस्फोट, 22 से अधिक घायल

मास्को (आरएनएस)। रूस के सारातोव क्षेत्र में स्थित एक कैफे में गैस बॉयलर में विस्फोट होने से वहां मौजूद 40 लोगों में से 22 लोग घायल हो गये। स्थानीय आपात मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि घायल लोगों में 14 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है जिनमें से छह गंभीर रूप से घायल हैं।

राजपथ पर दिखी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन की झांकी

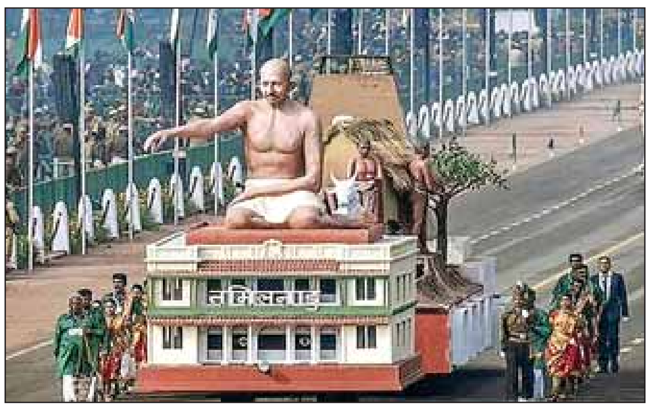

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजपथ पर गणतंत्र दिवस पर हर साल राज्यों की झांकी खास आकर्षण होती है। इस बार गांधीजी के जीवन और शिक्षाओं की थीम पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां निकाली गईं। विभिन्न राज्यों की इन झांकी में बापू के जीवन दर्शन और आजादी के संघर्ष की झलक दिखी। महाराष्ट्र की झांकी में अंग्रेजों भारत छोड़ो और स्वदेशी निर्माण की झलक थी तो गोवा की झांकी में सर्व धर्म समभाव की झांकी दिखी।

बापू के आदर्शों पर आधारित झांकी में भारत के ऐतिहासिक समृद्धि के साथ राष्ट्रपिता के अहिंसा, सत्य और सर्व धर्म समभाव जैसे भाव भी दिखे। पंजाब की झांकी में जलियांवाला बाग कांड को दिखाया गया। राज्यों की इन झांकी में प्रदेशों की ऐतिहासिक विरासत और संस्कृति की झलक भी देखने मिली। त्रिपुरा की झांकी में माता त्रिपुरसुंदरी की झलकी थी, तमिलनाडु की झांकी में पारंपरिक लोक-जीवन की झलक देखने मिली।

गुजरात की झांकी में नमक सत्याग्रह और बापू की मशहूर दांडी यात्रा की झलक दिखी। दांडी यात्रा की सफलता पर नाराज अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को जेल में भी डाला था। जम्मू कश्मीर की झांकी में बापू को कश्मीर के पेड़ के नीचे विश्राम करते दिखाया गया। वहां की झांकी में लद्दाख के मठ, कश्मीर के मंदिर और मस्जिदों की झलक थी। बंगाल की झांकी में गांधी के साथ रवींद्रनाथ टैगोर भी थे। कोलकाता में बापू के उपवास और दंगाइयों के हारकर अहिंसा के रास्ते पर चलने के दृश्य को दिखाया गया। कर्नाटक की झांकी में कांग्रेस के बेलगाव में हुए 39वें सम्मेलन की झलक दिखी।

मंत्रालयों की झांकी में बापू की झलक

राज्यों के साथ ऊर्जा मंत्रालय, रेल मंत्रालय, भारतीय कृषि मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों की झांकी में भी बापू के जीवन की झलक देखने को मिली। राज्यों और मंत्रालयों की झांकियों के दौरान संबंधित मंत्रियों ने भी खड़े होकर अपने विभाग का उत्साह बढ़ाया। लोकनिर्माण विभाग की झांकी में विश्व शांति का संदेश दिया गया।

रेलवे की झांकी में दिखा बापू का जीवननामा

रेल मंत्रालय की तरफ से झांकी में महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग को दिखाया गया। झांकी का सार था मोहन से महात्मा। झांकी में दक्षिण अफ्रीका में रेल के डिब्बे में जब बापू को रंगभेद का शिकार होना पड़ा था, उसका दृश्य था। साथ ही महात्मा गांधी ने आजादी आंदोलन के दौरान रेलवे का प्रयोग देश भर की यात्रा के लिए किया।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा बने गणतंत्र दिवस परेड के साक्षी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा देश के 70वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड के साक्षी बने। रामफोसा ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ राजपथ पर परेड का आनंद लिया। नेल्सन मंडेला के बाद भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले वह दूसरे दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति है। पिछले साल 10 आसियान देशों के नेताओं ने गणतंत्र दिवस परेड देखी थी। 2017 में अबु धाबी के वली अहद शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और 2016 में फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे। वहीं 2015 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा और 2014 में जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे समारोह के मुख्य अतिथि थे। 2013 में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक यहां पहुंचे थे। नेल्सन मंडेला 1995 में गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत करने भारत आए थे।

मर्डर नहीं गुस्से में गैर-इरादतन हत्या

वेश्या कहने पर पति की हत्या पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

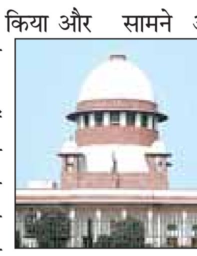

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पति ने अपनी पत्नी को वेश्या संबोधित किया और इस कारण गुस्से में पत्नी ने उसकी हत्या कर दी। कोर्ट ने इसे हत्या का नहीं बल्कि गैर इरादतन हत्या का केस माना। पति की हत्या के मामले में पत्नी और उसके पड़ोसी को गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी करार देते हुए 10-10 साल कैद की सजा सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पति ने पत्नी को वेश्या कहा था इस कारण एकाएक गुस्से में आकर पति पर महिला ने पड़ोसी के साथ मिलकर अटैक किया और गला घोंटकर मार दिया।

हमारे समाज में महिला बर्दाश्त नहीं कर सकती कि पति वेश्या कहे- अदालत ने कहा कि हमारे समाज में कोई महिला इस बात को बर्दाश्त नहीं कर सकती कि उसका पति उसे वेश्या कहे और इस तरह इस मामले में हुई वारदात एकाएक गुस्से में आकर की गई वारदात है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को इस कारण गैर इरादतन हत्या करार दिया। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने मामले में महिला और उसके पड़ोसी को हत्या मामले में दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को दोनों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम शांतनागौड़ा और जस्टिस दिनेश महेश्वरी ने मामले को हत्या नहीं बल्कि गैर इरादतन हत्या करार दिया।

पति को पत्नी और बेटी की निष्ठा पर शक था- सुप्रीम कोर्ट के सामने आए तथ्य के मुताबिक आरोप था कि आरोपी महिला का अपने पड़ोसी से अवैध संबंध थे। महिला के पति को अपनी पत्नी की निष्ठा पर शक था साथ ही उसे अपनी बेटी पर भी शक था। घटना वाले दिन महिला का पति से झगड़ा हुआ था। महिला को उसके पति ने गुस्से में वेश्या कहा और कहा कि उसने अपनी बेटी को भी वेश्या बना दिया है। पहले फ्लोर पर रह रहा पड़ोसी भी लड़ाई सुनकर वहां आ गया और उसने इस दौरान महिला के पति को थप्पर मारे। इसके बाद महिला और उसके पड़ोसी ने उसका गला घोंट दिया। फिर दोनों ने डेडबॉडी जला दी। ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने महिला और उसके पड़ोसी को हत्या मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई।

हत्या नहीं गैर इरादतन हत्या का मामला- सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गैर इरादतन हत्या करार दिया और कहा कि यह मामला अपवाद में आएगा। वारदात एकाएक गुस्से में आकर की गई। मृतक ने अपनी पत्नी और बेटी को वेश्या कहा था और इसी कारण महिला को गुस्सा आया और गुस्से में महिला और उसके पड़ोसी ने आदमी का गला घोंट दिया। यह सब चंद मिनट में हो गया। महिला और उसकी बेटी को मृतक ने वेश्या कहा था और इस कारण अपने आप पर दोषियों का काबू नहीं रहा।

गणतंत्र दिवस पर पहली बार कई नए हथियारों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। इस बार का गणतंत्र दिवस कई मायनों में खास रहा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर भारत का पराक्रम और ताकत देखने को मिला। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित झांकियों ने भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस बार आर्मी में शामिल किए गए नए हथियारों के अलावा महिला अर्द्धसैनिक बल द्वारा मार्च पहली बार मार्च किया गया। इसके अलावा पुरुष टीमों का नेतृत्व भी महिला ऑफिसरों ने ही किया। बोफोर्स के आने के 30 साल बाद पहली बार आर्मी एम777 और के9 वज्र का प्रदर्शन रिपब्लिक डे परेड में किया गया।

पहली बार परेड में आर्मी ने अपनी नई आर्टिलरी का प्रदर्शन किया। पिछले साल ही अमेरिका से लाई गई एम777 ए2 अल्ट्रा लाइट होवित्सर भी इस परेड में देखने को मिली। इसके अलावा भारत में ही बनी के9 वज्र का प्रदर्शन भी किया गया, इसका निर्माण एल ऐंड टी ने पीएम मोदी के मेक इन इंडिया के तहत किया था।

एम777 एक 155एमएम आर्टिलरी गन है, जिसकी अधिकतम रेंज 30 किलोमीटर है। यह बंदूक अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान भी इस्तेमाल की गई थी। 2017 में भारत और अमेरिका के बीच 5000 करोड़ रुपये की लागत से 145 होवित्सर खरीद की डील हुई थी। वहीं दूसरी तरफ के9 वज्र दक्षिण कोरियाई आर्टिलरी गन है। एल ऐंड टी इस गन टेक्नॉलजी को दक्षिण कोरिया से लाई है। कंपनी ने 4500 करोड़ रुपये में 100 यूनिट की सप्लाई की है।

डीआरडीओ के दो डिफेंस प्रॉजेक्ट- मध्यम दूरी की सर्फेस टु एयर मिसाइल और अर्जुन आर्म्ड रिकवरी ऐंड रिपेयर वीइकल, जिनका अभी ट्रायल चल रहा है, का भी इस परेड में पहली बार प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा सर्फेस माइन क्लीयरिंग वीइकल का भी पहली बार प्रदर्शन हुआ।

राजपथ पर फ्लाईपास्ट के दौरान, 32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने पहली बार बायो फ्यूल से उड़ान भरी। इसके अलावा नेता जी की आर्मी आईएनए का हिस्सा रहे चार व्यक्ति भी पहली बार परेड में हिस्सा लिया।

बड़े-बड़े हथियारों के अलावा परेड का मुख्य आकर्षण सेना की महिला शक्ति भी रही। पहली बार महिला अर्द्धसैनिकों की टुकड़ी परेड में हिस्सा लिया। यह टुकड़ी असम राइफल का हिस्सा है, जो देश का सबसे पुराना अर्द्धसैनिक बल है। इस टुकड़ी का नेतृत्व मेजर खुशबू कंवर ने किया।

नजीर वानी मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में पिछले वर्ष नवंबर में आतंकवादियों से लोहा लेते वक्त जान कुर्बान करने वाले लांस नायक नजीर अहमद को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को अशोक चक्र से सम्मानित किया। लांस नायक की पत्नी और मां ने गणतंत्र दिवस समारोह में यह सम्मान ग्रहण किया। अशोक चक्र शांतिकाल में दिया जाने वाला सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है। वानी अशोक चक्र पाने वाले पहले कश्मीरी हैं। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में चेकी अश्मुजी के रहने वाले वानी आतंकवाद का रास्ता छोड़कर 2004 में भारतीय सेना की 162 इंफेंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) से जुड़े थे।

जलप्रपात में गिरी बच्ची की तलाश करने एनडीआरएफ की टीम ने सम्भाली कमान

सूरजपुर (आरएनएस)। जिले के रकसगंडा जलप्रपात में एक सप्ताह पूर्व गिरी 8 वर्षीय मासूम मानवी की तलाश के लिए एनडीआरएफ की 18 सदस्यीय टीम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को चांदनी थाना पहुंच गई है, ऑपरेशन मानवी प्रारंभ करने से पूर्व रिस्पांस फोर्स ने एसडीओपी डॉ. ध्रुवेश जायसवाल के नेतृत्व में घटनास्थल का मुआयना किया। और रेत की बोरिया तैयार कर पानी के तेज बहाव को कम करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। एनडीआरएफ राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल की उड़ीसा इकाई के संज्ञान में 2 दिन पूर्व मानवी ठक्कर प्रकरण आया था। एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर विनीत प्रभाकर ने संपूर्ण घटना का विवरण क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार प्रवेश गोयल से लेकर रकसगंडा में ऑपरेशन मानवी चलाने का निर्णय लिया था। शनिवार को एनडीआरएफ की 18 सदस्यीय फोर्स इंस्पेक्टर चंदन कुमार शाह के नेतृत्व में सूरजपुर पहुंची और उन्होंने जिले के पुलिस कप्तान गिरीजा शंकर जायसवाल से मुलाकात कर ऑपरेशन मानवी के लिए आवश्यक संसाधन और पुलिस बल का सहयोग मांगा, जिस पर जिले के संवेदनशील एसपी गिरिजा शंकर जायसवाल ने जिले के कलेक्टर केसी देवसेनापति से चर्चा करने के उपरांत अपेक्षित समस्त संसाधनों व बल मुहैया कराने के निर्देश जारी करते हुए एसडीओपी डॉ. ध्रुवेश जायसवाल को इसकी कमान सौंपी है।

उत्कृष्ट सेवा के लिए गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हुए पुलिस अधिकारी

रायपुर (आरएनएस)। गणतंत्र दिवस के मौके पर पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को पुलिस वीरता पदक, विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा पदक (जेल), सराहनीय सुधार सेवा पदक, यूनियन होम मिनिस्टर मेडल और राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित किए।

राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित हुए साहसी बच्चे

समारोह में पुलिस वीरता पदक से रमेश उसेण्डी निरीक्षक, जिला कोण्डागांव, अमोल कुमार खलखो निरीक्षक जिला बीजापुर, राजेश देवदास निरीक्षक जिला रायपुर, अनंत प्रधान निरीक्षक जिला राजनांदगांव, मंगल मज्जी प्रधान आरक्षक विआशा पुलिस मुख्यालय रायपुर, रोशन कौशिक निरीक्षक कांकेर को सम्मानित किया गया। विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति का पुलिस पदक से राधेश्याम नायक भापुसे उप पुलिस महानिरीक्षक लेखा, कल्याण पुलिस मुख्यालय रायपुर को किया गया। सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक से सरजू राम सलाम भारतीय पुलिस सेवा सेनानी, 8वीं वाहिनी छसबल राजनांदगांव, रजनेश सिंह भापुसे पुलिस अधीक्षक जिला नारायणपुर, सुशील डेविड पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा रायपुर, शिवकुमार सोनी कंपनी कमाण्डर, सीटोजेडब्ल्यू कॉलेज, कांकेर, द्वारिका प्रसाद यादव प्लाटून कमाण्डर 15 वीं वाहिनी छसबल महासमुंद, खिलानंद साहू प्लाटून कमाण्डर, 20 वीं वाहिनी छसबल महासमुंद, निवास पचौरिया प्लाटून कमाण्डर 11 वीं वाहिनी छसबल जांजगीर चांपा, महेन्द्र जयसिंह उप निरीक्षक दुर्ग, विष्णु प्रसाद शर्मा सहायक उप निरीक्षक कबीरधाम को सम्मानित हुए। विशिष्ट सेवा पदक (जेल) के लिए डॉ. के.के गुप्ता जेल उप महानिरीक्षक मुख्यालय रायपुर, सराहनीय सुधार सेवा पदक से कुलदीप राम दिवाकर मुख्य प्रहरी सूरजपुर, रूमलाल साहू प्रहरी केन्द्रीय जेल रायपुर को किया गया। यूनियन होम मिनिस्टर मेडल फॉर एक्सीलेंस इन पुलिस ट्रेनिंग से भुनेश्वर प्रसाद सिंह सहायक सेनानी 12 वीं वाहिनी छसबल रामानुजगंज को सम्मानित हुए।

राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित हुए साहसी बच्चे- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य वीरता पुरस्कार के चार साहसी बच्चों खल्लारी महासमुंद के मास्टर सोमनाथ वैष्णव, कुमारी पूनम यादव, सरिया रायगढ के मास्टर प्रशांत बारिक और मोहनपुर सरगुजा की कुमारी कांति को 15 हजार रूपए नगद, प्रशंसा पत्र और वीरता पदक प्रदान किया।

राहुल गांधी आज आएंगे छत्तीसगढ़

नया रायपुर में आयोजित किसान सभा में करेंगे शिरकत

रायपुर(आरएनएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी छत्तीसगढ़ दौरे पर 28 जनवरी को राजधानी रायपुर आ रहे है। वे यहां नया रायपुर में आयोजित किसान सभा में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व उनके मंत्रिमंडल के सभी मंत्रीगणों, विधायक गणों सहित प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के अलावा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में किसान शामिल होंगे।

गांधी के आगमन व कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी मंत्रियों, विधायकों व पदाधिकारियों को पहले ही जिम्मेदारी सौंप चुके है। जिसके अनुसार इसकी तैयारियां भी की जा रही है। गांधी के छग आगमन की तैयारियों का जायजा लेने आज एआईसीसी के छग प्रभारी पीएल पुनिया भी रायपुर आ रहे है। वे दोपहर 2 बजे रायपुर पहुंचेंगे।